23.00 hrs.

MR. SPEAKER : I will look into the matter.

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar) : Being the Chairman of the Committee, I want to make a submission.

मेरा कहना यह है कि जो माननीय सदस्य ने कहा है, वह बहुत गंभीर बात है । हमारी कमेटी के सामने कई-कई साल के बाद रिपोर्टें आती हैं और उसका परिणाम यह होता है कि जो कुछ सदन या सदस्य देख सकते हैं कि उसमें क्या गड़बड़ है, क्या ठीक है, वह नहीं देख पाते, उसका उद्देश्य खत्म हो जाता है ।

कई प्राइवेट या गवर्नमेंट की ऐसी इंस्टीट्यूशन्स हैं जिनमें स्टेट या सेंटर का रुपया लगा है, उनकी 7, 8 साल के बाद रिपोर्ट आती हैं । कोई हाउस की ऐसी कमेटी नहीं है जो उनकी एक्टिविटीज को वाच करे । कई बार देर में रिपोर्ट लाने का उद्देश्य यह भी होता है कि 7, 8 साल के बाद लाओ ताकि जो गड़बड़ी हो, उसको कोई देख नहीं सके ।

हमारी कमेटी इतना ही देखती है कि रिपोर्ट ठीक समय पर आई है या नहीं । अगर नहीं आई तो कह देते हैं कि गलती हो गई, नहीं आई । इससे ज्यादा कुछ नहीं हो सकता है ।

मेरी प्रार्थना है कि इस कमेटी के परव्यू को थोड़ा बढ़ाना चाहिए ताकि यह कमेटी, कहां पर गड़बड़ है, कहां ठीक है, कहां ठीक नहीं है, जैसे हाउस की दूसरी कमेटीज देखती हैं, यह कमेटी भी जांच कर सके और सदन के सामने रख सके कि इसमें क्या गड़बड़ है । आपकी सूचना के लिए मैं यह प्रार्थना करना चाहता हूं ।

SHRI SURJIT SINGH BARNALA : There are two types of reports being laid today. One is in item 2(a) "Review (Hindi & English versions) by Government on the working of the Kerala Agro Industries Corporation for the year 1975-76". There is not much delay in that. But my hon. friend is referring to item 2(b)— "Annual Report (Hindi version) of Orissa Agro Industries Corporation Limited, Cuttack, for the year 1968-69". But he has not read out what follows, viz., "along with the audited accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon".

All that has taken time, and that has been explained.

MR. SPEAKER : The delay of nearly 9 years is too much.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : The Minister should not be allowed to explain these reasons. It is for the Committee to see why delay has taken place.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA : It was only mentioned that it was a report, "along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon."

MR. SPEAKER : Even then 9 years' delay is something unpardonable. But of course, you are not responsible. Somebody else may be responsible. At least in future, these reports should be placed on the Table of the House as early as possible. The Auditor General must have asked for the report earlier.

We will look into the matter and see how we can expedite things. If you can give it in writing, we can see how it can be stream-lined.

ANNUAL REPORT OF NATIONAL PRODUCTIVITY COUNCIL FOR 1976-77

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री जार्ज फर्नान्डीज की ओर से राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्, नई दिल्ली के वर्ष 1976-77 के वार्षिक प्रतिवेदन (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) की एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं ।

[*Placed in library. See* No. LT-1429/77].

REVIEW AND ANNUAL REPORT OF BHARAT ALUMINUM CO. LTD., FOR 1976-77

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK) : I beg to lay on the Table a copy each of

the following papers (Hindi and English versions) under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956 :—

(1) Review by the Government on the working of the Bharat Aluminium Co. Limited New Delhi, for the year 1976-77.

(2) Annual Report of the Bharat Aluminium Company Limited, New Delhi, for the year 1976-77 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon.

[*Placed in library. See* No. LT-1430/77]

AUDIT REPORT ON ACCOUNTS OF CENTRAL BOARD FOR PREVENTION AND CONTROL OF WATER POLLUTION FOR 1976-77

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम किंकर) : मैं जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 40 की उपधारा (6) के अन्तर्गत जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण सम्बन्धी केन्द्रीय बोर्ड के वर्ष 1976-77 के लेखे सम्बन्धी लेखा परीक्षा प्रतिवेदन (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) की एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

[*Placed in library. See* No LT-1431/77].

ANNUAL ASSESSMENT REPORT *Re.* HINDI FOR 1973-74 and 1974-75

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) : I beg to lay on the Table a copy of the Annual Assessment Report (Hindi and English versions) on the programme and its implementation for accelerating the spread and development of Hindi and its progressive use for various official purposes of the Union for the years 1973-74 and 1974-75.

प्रो० पी० जी० मावलंकर (गांधीनगर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आइटम 7 के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। मैं जान-बूझ कर हिन्दी में बोल रहा हूं। अभी श्री मंडल ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में संघ-भाषा के नाते हिन्दी के उपयोग में गति लाने के लिए बनाये गये कार्यक्रम और उसकी समीक्षा की रिपोर्ट को सदन के टेबल पर रखा है। आप देखेंगे कि 1973-74 और 1974-75 की रिपोर्टों को आज सदन के सामने रखा जा रहा है, जबकि 1977 का साल खत्म होने जा रहा है। उन वर्षों के दौरान हिन्दी के उपयोग में कितना विस्तार हुआ और इस सम्बन्ध में क्या दिक्कतें पेश आईं, अब इस बारे में रिपोर्ट आज हमारे सामने आ रही है, तो इसका मतलब यह है कि हम हिन्दी का उपयोग बढ़ाने के सिलसिले में उतने गंभीर नहीं हैं, जितना कि हमें संविधान के प्रावधान और संसद् के निर्णय के अनुसार होना चाहिए। जब हम कहते हैं कि संघ-भाषा के रूप में अंग्रेजी के साथ-साथ हिन्दी का उपयोग, और उसकी प्रतिष्ठा, बढ़नी चाहिए, तो हर एक मिनिस्ट्री को पूरे गाम्भीर्य के साथ उसके उपयोग को बढ़ाना चाहिए और इसके लिए प्रयत्न करना चाहिए। लेकिन जब इस विषय की रिपोर्ट ही दो ढाई साल के बाद हमारे सामने रखी जाती है, तो इससे ऐसा लगता है कि दिल्ली में भारत सरकार के बहुत से अधिकारी ऐसे हैं, जिन्हें अंग्रेजी के साथ इतनी मुहब्बत है कि वे हिन्दी के संबंध में संविधान के प्रावधान और इस संसद् द्वारा की गई प्रतिज्ञा को पूरा नहीं करना चाहते हैं।

इसलिए मेरा निवेदन है कि आप प्रधान मंत्रीजी और सरकार की—हम मानते हैं कि जनता पार्टी की सरकार हिन्दी के उपयोग को बढ़ाने के लिए उत्सुक है—इस बारे में कुछ कहें।

MR. SPEAKER : Mr. Mavlankar, you can only raise it. This is not an occasion to make speeches.

STATEMENTS *Re.* ACTION TAKEN BY GOVERNMENT ON VARIOUS ASSURANCES GIVEN BY MINISTERS

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) : अध्यक्ष महोदय, मैं लोक सभा के विभिन्न सत्रों के